

श्रसाध। रण

EXTRAORDINARY

भाग 🎞--संच्ये 3--उपचण्य (11)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्रापिकार से प्रकालित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∙ 400]

नदी विल्ली, बृहस्पतिवार, सितंस्वर 19, 1974/भाष्र 28, 1886

No. 400}

NEW DELMI, THURSDAY, SEPTEMBER 19, 1974/BHADRA 28, 1896

इक भाग में जिल्ला एक बंधना ही शांती हैं विश्व कि वह अंतर्ग संकलन के रूप में रखा का सन्ने ह

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 19th September, 1974

S.O.—549(E)/18FB/IDRA/74.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development, No. S.O. 542(E)/18AA/IDRA/74, dated 13th September, 1974, the management of the Industrial undertaking known as Amritaar Sugar Mills Company Ltd., Amritsar, in so far as it relates to the factory known as Amritsar Oil Works, Amritsar, has been taken over under Section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) for a period of five years commencing from the 13th September, 1974;

And whereas the Central Government is satisfied that it is necessary so to do in the interest of the general public with a view to preventing fall in the volume of production in a scheduled industry, namely vanaspati;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the said Act, the Central Government hereby declares that—

(a) the enactments, or portions thereof, as the case may be, specified in the Schedule to this order shall not apply to the said industrial undertaking in so far as they relate to the said factory;

(b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions), to which said industrial undertaking is a party in so far as they may relate to the said factory, or which may be applicable to it immediately before the date of publication of this order in the Official Gazette, and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing and arising thereunder before the said date shall remain suspended.

The order shall remain in force for a period of one year commencing from the date of its publication in the Official Gazette.

THE SCHEDULE

- (1) The Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946.
- (2) The following chapters and Sections of the Industrial Disputes Act, 1947, namely:-
 - (i) Chapter V A
 - (ii) Section 33 C
 - (iii) Section 9 A

[No. 4/3/74-CUC].
D. K. SAXENA, Jt. Secy.

ग्रीहोशिक विकास मंत्रालय

श्रादेश

नई दिल्लो, 19 सितम्बर, 1974

कार बार 549(म)/18 चल/माई० डी० मार० ए०/74.—भारत सरकार के भौद्योगिक विकास मंद्रालय के म्रावेश संख्या का० मा, 542 (ई)/18कक/माई०डी०मार० ए०/74 सारीख 13, सितम्बर, 1974, द्वारा अमृतसर गूगर मिःस कम्पनी लिमिटेड, स्रमृतसर के नाम से विक्यात ग्रीद्योगिक उपक्रम का प्रश्नेच, वहां तक जहां तक कि उसका सम्बन्ध प्रमृतसर श्रायल बक्सं, ग्रमृतसर के नाम से विख्यात कारखाने से हैं, उद्योग (विकास ग्रीर विनियमम) ग्रिधनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक के म्रधीन तारीख 13 सितम्बर, 1974 से ग्रारम्भ पांच वर्ष की ग्रविध के लिए, प्रहण कर लिया गया है;

श्रीर यतः भारत सरकार का समाधान हो गया है कि श्रनुस्चित उद्योग, श्रर्थात् वनस्पति, में उत्पादन के परिमाण में कमी को रोकने की दृष्टि से ऐसा करना जनसाधारण के हित में श्रावण्यक है;

श्रतः, श्रव, केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम की धारा 18सला की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, घोषणा करती है कि ---

> (क) इस श्रादेश की श्रमुसूची में विनिर्दिष्ट श्रिधिनियमितिया, या जन के भाग, बहां तक जहां तक कि जनका सम्बन्ध उक्त कारखाने से है, उक्त श्रीधोगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगी;

(ख) उन सभी प्रवृक्षमान संविदाश्रों, सम्पत्ति के हस्तान्तरण पत्नों, करारों, व्यवस्थाश्रों, श्रिधिनिर्णयों, स्थायी झादेशों या घन्य लिखतों (जो वैकों श्रौर विसीय संस्थाश्रों के प्रतिभूत दायित्वों से सम्बन्धित, से भिन्न हों) का प्रवर्तन, जिनमें उक्त श्रौद्योगिक उपक्रम पक्षकार है, वहां तक जहां तक कि उनका सम्बन्ध उक्त उपक्रम से है या जो इस खादेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ठीक पूर्व उसे लागू हों, निलम्बित रहेगा श्रौर उक्त तारीख से पूर्व उनसे उद्भूत श्रौर परिणामित संभी श्रीधकार, विशेषाधिकार, वाध्यताएं श्रौर दायित्व भी निलम्बित रहेंगें।

यह ब्रादेश राजपन्न में उसके प्रकाणन की तारीख से ब्रारम्भ एक वर्ष की ब्रवधि पर्यन्त क्षागू रहेगा।

ध्रमु स्वी

- (1) श्रौद्योगिक नियोजन (स्थायी श्रादेश), श्रधिनियम, 1946,
- (2) श्रीयोगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 के निम्निवित श्रध्याय श्रीर धाराएं, श्रर्थातु :---
 - (i) श्रध्याय 5क
 - (ii) धारा 33ग
 - (iii) धारा 9क

[सं॰ 4/3/74—सी॰ यू॰ मी॰]

दिनेश किशोर सब्सेना, संयुक्त सचित्र ।